Hindi Murli Quiz 16-07-2015

Q.1) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ---**
"मीठे बच्चे, इस बेहद नाटक में तुम वन्डरफुल एक्टर हो, यह ---------नाटक है, इसमें कुछ भी बदली नहीं हो सकता"

- अनादि
- अनादी
- ANAADI
- ANADI
- ANAADY
- अनाद्ही

Q.2) **Q. "मूलवतन से लेकर सारे ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त का जो गुह्य राज है, वह दूरादेशी बच्चे ही समझ सकते हैं, बीज और झाड़ का सारा ज्ञान उनकी बुद्धि में रहता है। वह जानते हैं-इस बेहद के नाटक में आत्मा रूपी एक्टर जो यह चोला पहनकर पार्ट बजा रही है, इसे सतयुग से लेकर कलियुग तक पार्ट बजाना है। कोई भी एक्टर बीच में वापिस जा नहीं सकता।"**

A. True
B. False

Q.3) **Q. "-------- में तो सिमरण किया नहीं जाता। दु:ख को भी आना है जरूर। दु:ख हो तब तो --------- देने के लिए बाप को आना पड़े। मीठे-मीठे बच्चों को मालूम है, अभी हम --------धाम के लिए पढ़ रहे हैं।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक ही सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त तीनों रिक्त स्थान भरें ----

A. सुख
B. दिन
C. मुक्ति
D. आराम

Q.4) **Q. केवल सही वाक्यों का चयन कर फुल मार्क्स लें ---**

A. ☑ शान्तिधाम घर है, वहाँ कोई पार्ट नहीं बजाया जाता। पार्ट स्टेज पर बजाया जाता है।
B. ☑ यह भी स्टेज है। जैसे हद का नाटक होता है वैसे यह बेहद का नाटक है।
C. ☑ यहाँ के साहूकारों से स्वर्ग के गरीब भी बहुत ऊंच होते हैं ।
D. ☐ इस बेहद के नाटक में तो एक एक्टर बीमार हुआ तो दूसरा एड कर देंगे। लेकिन हद के नाटक में जरा भी अदली-बदली नहीं हो सकती।
E. ☑ तुम्हारी बुद्धि में सारा बीज और झाड़ का राज है, सो भी जो अच्छे बुद्धिवान हैं, वही समझते हैं कि इसका बीज ऊपर में हैं।

Explanation: उस हद के नाटक में तो एक एक्टर बीमार हुआ तो उनके बदले फिर दूसरा एड कर देंगे। यह तो बेहद का चैतन्य ड्रामा है, इसमें जरा भी अदली-बदली नहीं हो सकती।

Q.5) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	कनेक्शन सारा है मूलवतन और स्थूलवतन से।	बाकी सूक्ष्मवतन तो थोड़ा टाइम के लिए है।

B	यह मनुष्यों का झाड़ बिल्कुल एक्यूरेट है, कुछ भी आगे-पीछे हो न सके।	न आत्मायें कोई अन्य जगह बैठ सकती हैं।
C	आत्मायें ब्रह्म महतत्व में खड़ी होती हैं।	जैसे स्टार्स आकाश में खड़े हैं।
D	यह है रावण की गोल्डन एज,	सतयुग है ईश्वरीय गोल्डन एज।
E	बुद्धि में चक्र भी याद रहे फिर बाप को भी याद करते रहो।	कमाई करने की युक्तियां बाबा बहुत अच्छी बताते हैं।

Q.6) **Q. फुल मार्क्स लेने के लिए केवल सही वाक्यों का चयन करें ---**

A. ☑ जो बच्चे ज्ञान का विचार सागर मंथन नहीं करते हैं उन्हें ही माया तंग करती है।
B. ☐ बाबा ने कहा है-मुझे याद करो तो तमो-प्रधान बन जायेंगे।
C. ☑ अकेले घूमेंगे तो अपनी ही धुन में रहेंगे। दूसरा साथ में होगा तो बुद्धि इधर-उधर जायेगी।
D. ☑ बूढ़े, जवान, बच्चों आदि सबको पावन बनना है। बच्चों को भी छोटेपन में ही यह बीज पड़ जाए तो बहुत अच्छा।
E. ☐ उन स्कूलों में मिलती है जिस्मानी विद्या लेकिन यह है रूहानी विद्या, जो तुमको सन्यासी लोग सिखलाते हैं।

Explanation: बाबा ने कहा है-मुझे याद करो तो सतो-प्रधान बन जायेंगे। उन स्कूलों में मिलती है जिस्मानी विद्या लेकिन यह है रूहानी विद्या, जो तुमको भगवान सिखलाते हैं।

Q.7) **Q. तुमको पता है कि एक है जिस्मानी कॉलेज की नॉलेज, दूसरी है आध्यात्मिक शास्त्रों की विद्या, तीसरी है यह रूहानी नॉलेज। वह भल कितने भी बड़े-बड़े डॉक्टर ऑफ फिलॉसॉफी हैं, परन्तु उन्हों के पास भी शास्त्रों की बातें हैं। तुम्हारी यह नॉलेज बिल्कुल अलग है। यह स्प्रीचुअल नॉलेज जो स्प्रीचुअल फादर सभी आत्माओं का बाप है, वही पढ़ाते हैं।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.8) **Q. इस मैचिंग एक्सरसाइज में सर्वाधिक उपयुक्त शब्द से ही रिक्त स्थान भरें—**

	Choice	Match
A	बाप की महिमा को भी-----रीति तुम जानते हो। वह तो सिर्फ तोते मुआफिक गाते हैं।	यथार्थ
B	तुमको पवित्र बनना है, नहीं तो पिछाड़ी में आयेंगे, फिर क्या ----- पायेंगे।	सुख
C	जल्दी-जल्दी पुरूषार्थ करो। शरीर पर-------थोड़े ही है। आजकल मौत बहुत इजी हो गया है।	भरोसा
D	बुद्धि को ज्ञान चिन्तन में बिजी रखने की-----डालनी है।	आदत
E	सभी पार्टधारियों के पार्ट को -------होकर देखना है।	साक्षी

Q.9) **Q. "संगमयुग में यदि एक सेकण्ड भी व्यर्थ जाता है तो लाख गुणा व्यर्थ जाता है। इसलिए इतना अटेन्शन रखो तो अलबेलापन समाप्त हो जायेगा। अभी तो कोई हिसाब लेने वाला नहीं है लेकिन थोड़े समय के बाद पश्चाताप होगा क्योंकि इस समय की बहुत वैल्यु है। इसीलिए जो अपने हर सेकण्ड, हर संकल्प को अमूल्य रीति से व्यतीत करते हैं वही अमूल्य रत्न बनते हैं।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.10) **Q. आज के स्लोगन पर आधारित इस एक्सरसाइज में निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ---**
"जो सदा योगयुक्त हैं वो सहयोग का अनुभव करते ---------- बन जाते हैं।"

- विजयी
- विजई
- विजायी
- VIJAYI
- VIJAI
- बिजयी
- बिजई